साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 168 | जौनपुर, गुरूवार, 14 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

34 ध्रुव एमके–3 हेलीकाप्टर की खरीद के लिए एचएएल से की 8073 करोड़ रुपये की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को उन्नत हल्के हेलीकाप्टर (एचएएल) के साथ 8073 करोड़ रुपये के दो संयुक्त अनुबंध किए हैं। इस अनुबंध के तहत भारतीय सेना और तटरक्षक बल के लिए 34 ध्रुव एमके–3 हेलीकाप्टर और अन्य उपकरणों का अधिग्रहण किया जाएगा। इस समझौते के तहत खरीदे जाने वाले हेलीकाप्टरों में सेना को 25 और तटरक्षक बल को नौ हेलीकाप्टर मिलेंगे। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने पिछले सप्ताह इन दो खरीद परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दी थी। मंत्रालय ने कहा कि 34 ध्रुव एमके–3 हेलीकाप्टर सियाचिन ग्लेशियर और लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अपना प्रदर्शन साबित कर चुका है। यह जल और थल दोनों के लिए उपयोगी है। ध्रुव एमके–3 का आइसीजी संस्करण समुद्री निगरानी, बचाव और सैनिकों के परिवहन के लिए भी डिजाइन किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इस हेलीकाप्टर ने समुद्र और जमीन पर प्रतिकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों में भी अपनी क्षमता साबित की है। इसने कहा कि यह परियोजना अपनी अवधि के दौरान अनुमानित 190 लाख घंटे का रोजगार पैदा करेगी। इसमें 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम से उपकरणों की आपूर्ति भी शामिल होगी और 70 स्थानीय विक्रेता स्वदेशीकरण की प्रक्रिया में शामिल होंगे।

वित्त मंत्री ने विकसित भारत के लिए कार्रवाई–योग्य विचारों पर हित धारकों के साथ चर्चा की

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का दृष्टिकोण साकार करने के लिए विचार–विमर्श और कार्रवाई –योग्य विचारों की पहचान को मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ बातचीत की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस संवाद में शामिल प्रतिभागियों में विभिन्न उद्योगों, स्टार्टअप, उभरते क्षेत्रों, वित्तीय–प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं, सामाजिक क्षेत्र, शिक्षा और शोध संस्थान के विशेषज्ञ शामिल थे। बातचीत के दौरान मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन भी मौजूद थे। मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''इस बातचीत का उद्देश्य भारत की क्षमता को उजागर करने के लिए एक गहरी, सहयोगात्मक बातचीत को बढ़ावा देना और भारत के विकास पथ को तेज करने के लिए सुझाव मांगना है। यह चर्चा बैंकिंग और बीमा क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का लाभ उठाने, जीवन में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, समावेशी विकास और सामाजिक– आर्थिक विकास, आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल करने और हरित एवं टिकाऊ विकास पर केंद्रित रही।

आर्थिक प्रगति के साथ ही युवाओं को मिल रहा रोजगार - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। चीन के उत्पादों को हमने अपने मार्केट से बहुत दूर कर दिया है। यही हमारे एमएसएमई यूनिट्स की ताकत का परिणाम है। इससे बड़ा राष्ट्रवाद क्या हो सकता है, अगर हमारे घर का उत्पाद मार्केट में छा रहा है तो हमें भी उसे प्रोत्साहित करना होगा, प्रेरित करके प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना होगा। ये कितनी खुशी की बात है कि हमारा उत्पाद मार्केट में छा रहा है और दुश्मन देश का उत्पाद मार्केट से दूर होता जा रहा है।

आज दीपावली, विजयदशमी, ईद और क्रिसमस पर यूपी के उत्पाद ही मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। हमारा उत्पाद अच्छा तो होता ही है, साथ ही हमारे उद्यमियों और कारीगरों को भी लगता है कि उनका भविष्य उज्ज्वल है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही।

रू30,826 करोड़ का मेगा ऋण वितरण

इस दौरान उनहोंने एमएसएमई क्षेत्र के लिए घ्30,826 करोड़ का मेगा ऋण वितरण किया। साथ ही उन्नाव में स्वीकृत प्लेज पार्क के विकासकर्ताओं को सीएम योगी ने चेक वितरित किया। वहीं उन्होंने औद्योगिक आस्थानों में भूखंडों के आवंटन के लिए ऑनलाइन पोर्टल का भी शुभारंभ किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर ओडीओपी एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के

अंतर्गत टूलकिट वितरित किया।

मार्केट की संपूर्ण मैपिंग कराए विभाग

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एमएसएमई विभाग को मार्केट की संपूर्ण मैपिंग कराते हुए डिमांड के अनुसार प्रोडक्ट उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देना होगा। इसके साथ ही प्रोडक्ट की पैकेजिंग पर भी खास ध्यान देना होगा। अगर हमने ये काम कर लिया तो प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को पूरे देश में छाने में बहुत देर नहीं लगेगी। उन्होने एमएसएमई उद्यमियों से भी अपील की कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के साथ तेजी से जुड़ें, जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम से जुड़े उद्यमियों की ट्रेनिंग की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

आर्थिक प्रगति के साथ ही युवाओं को मिल रहा रोजगार

मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023–24 के समापन के पहले एमएसएमई विभाग की ओर से लोन वितरण के विभिन्न कार्यक्रम हुए हैं। सीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष वितरित की गई राशि गत वर्ष की तुलना में दोगुना और बीते सात साल की अपेक्षा 10 गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह प्रगति यूपी के आर्थिक उन्नयन को तो प्रदर्शित करता ही है साथ ही युवाओं को रोजगार भी प्रदान कर रहा है। सीएम योगी ने बताया कि प्लेज पार्क से प्रदेश के 10 जनपद जुड़ चुके हैं। उन्नाव में बन रहे प्रदेश के 11वें प्लेज पार्क के लिए आज चेक वितरित हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएसएमई विभाग पिछले सात साल में प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के उद्यमियों के लिए नई आशा की किरण बनकर उभरा है। अपने अभिनव प्रयोग ओर नवाचार के कारण पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में तेजी से आगे बढ़ा है।

अनलिमिटेड पोटेंशियल वाले राज्य को बीमारू बनाकर रखा गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नये भारत का नया उत्तर प्रदेश है। इसे लेकर बनी पुरानी धरणा को हमने अपने सामर्थ्य से बदला है। आज हमारा हर सेक्टर सभी को उत्तर दे रहा है। यूपी पहले भी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला राज्य था, मगर कुछ लोगों ने इसे बीमारू बना रखा था। हमने इसे राष्ट्रनिर्माण के अभियान के साथ जोड़कर युवाओं और उद्यमियों के डेवलपमेंट के पथ पर अग्रसर किया है। आज इसका परिणाम देखने को मिल रहा है। यूपी देश का अकेला राज्य है जहां युवा उद्यमियों को बिना ब्याज के पांच लाख का ऋण देने का काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 96 लाख एमएसएमई यूनिट्स में से 40 लाख का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। हमारा लक्ष्य जल्द से जल्द सभी 96 लाख को रजिस्टर्ड कराना है।

लोक सभा चुनाव से पहले सीएए लागू करना भाजपा की 'वोट बैंक की गंदी राजनीति' – सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम का उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए उन गैर–मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करना है जिनके पास दस्तावेज नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि इस कानून को निरस्त किया जाए। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस कानून के जरिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश से बड़ी संख्या में गरीब अल्पसंख्यकों के भारत आने के द्वार खोल दिए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, "पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में 3.5 करोड़ अल्पसंख्यक हैं। भाजपा हमारे लोगों का पैसा पाकिस्तान और बांग्लादेश से आए गरीब प्रवासियों को यहां नौकरी और घर देकर बसाने में खर्च करना चाहती है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनावों में भाजपा को फायदा होगा क्योंकि पड़ोसी देशों से भारत में बसने वाले गरीब अल्पसंख्यक उसके वोट बैंक बन जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू करना भाजपा की वोट बैंक की गंदी राजनीति है। उन्होंने कहा कि देश सीएए को निरस्त करने की मांग करता है। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर कानून रद्द नहीं किया गया तो वे भाजपा के खिलाफ वोट करें। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम का उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए उन गैर–मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करना है जिनके पास दस्तावेज नहीं है।

सरकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा फायदा वंचित वर्ग को मिला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा फायदा एससी, एसटी और ओबीसी जैसे वंचित वर्गों के लोगों को मिला है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पीएम–सूरज (प्रधानमंत्री सामाजिक उत्थान और रोजगार आधारित जनकल्याण) राष्ट्रीय पोर्टल की शुरुआत के मौके पर दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द और जनजातीय समाज से आने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के चयन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वंचित तबके के लोगों को शीर्ष पदों तक पहुंचाने के लिए भाजपा के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से पूछा कि कोई कैसे कह सकता है कि मेरा कोई परिवार नहीं है। जबकि मेरे पास आप जैसे भाई और बहन हैं? कार्यक्रम में शामिल लोगों में वंचित समूहों के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि शौचालय और रसोई गैस जैसी उनकी सरकार की योजनाओं से समाज के वंचित

तबके को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। गरीबों के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के सबसे बड़े लाभार्थी एससी, एसटी, ओबीसी हैं। पीएम–सूरज राष्ट्रीय पोर्टल का उद्देश्य अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और सरकार में लाखों–करोड़ रुपये के घोटाले किए गए। हमारी सरकार ये पैसा दलितों व वंचितों के कल्याण और देश के निर्माण के लिए खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि अब तक वंचित वर्ग से जुड़े एक लाख स्वच्छता श्रमिकों सहित देशभर में पात्र व्यक्तियों को ऋण सहायता प्रदान करना है। इस पहल का उद्देश्य समाज के सबसे वंचित वर्गों का उत्थान करना है। मोदी ने कहा, पिछली लाभार्थियों के खातों में 720 करोड़ रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक अकाउंट में भेजी गई है। पहले की सरकारों में ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता था कि इधर बटन दबाया और उधर पैसे गरीबों के बैंक खातों में पहुंच गए, लेकिन यह मोदी की सरकार है, गरीबों का पैसा सीधे उनके खातों में पहुंचता है। इस दौरान उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि मुद्रा योजना के तहत एससी, एसटी व ओबीसी समेत गरीब लोगों को लगभग 30 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दलित, पिछड़े और वंचित समाज के कल्याण की दिशा में देश एक और बड़े अवसर का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा, जब वंचितों को वरीयता देने की भावना हो, तो कैसे काम होता है, वह इस आयोजन में दिखाई दे रहा है।

यूसीसी विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी, उत्तराखंड में लागू हुआ यूसीसी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तराखंड के समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया। यह एक महीने से अधिक समय के बाद आया जब विधेयक 7 फरवरी को उत्तराखंड विधानसभा द्वारा पारित किया गया था। यह विधेयक सभी नागरिकों के लिए एक समान विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत कानून स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। चाहे उनका धर्म कोई भी हो। यह कानून बाल विवाह पर पूर्ण प्रतिबंध लगाता है और तलाक के लिए एक समान प्रक्रिया शुरू करता है। यह संहिता सभी धर्मों की महिलाओं को उनकी पैतृक संपत्ति में समान अधिकार प्रदान करती है। यूसीसी कानून के अनुसार, सभी समुदायों में शादी की उम्र महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के

लिए 21 वर्ष होगी। सभी धर्मों में विवाह पंजीकरण अनिवार्य है और बिना पंजीकरण के विवाह अमान्य होंगे। शादी के एक साल बाद तलाक की कोई याचिका दायर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। विवाह के लिए समारोहों पर प्रकाश डालते हुए, यूसीसी कानून में कहा गया है कि धार्मिक मान्यताओं, प्रथाओं, प्रथागत संस्कारों और समारोहों के अनुसार एक पुरुष और एक महिला के बीच विवाह संपन्न या अनुबंधित किया जा सकता है, जिसमें ष्सप्तपादष्, ष्आशीर्वादष् शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। आनंद विवाह अधिनियम 1909 के तहत निकाहष् पवित्र मिलन और आनंद कारज साथ ही विशेष विवाह अधिनियम, 1954 और आर्य विवाह मान्यकरण अधिनियम, 1937 के तहत, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है।

9 सदस्यीय कमेटी ने यूसीसी ड्राफ्ट तैयार किया

प्रावधानों के आसान कार्यान्वयन के लिए प्रक्रियाओं, सक्षम स्तर के अधिकारियों के पदनाम से संबंधित नियमों का मसौदा तैयार करने के लिए एक पूर्व मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया था।

एनसीसी में और तीन लाख कैडेट किए जाएंगे शामिल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विस्तार प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत एनसीसी में तीन लाख कैडेट और शामिल किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एनसीसी के विस्तार से देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में इसके लिए बढ़ती मांग पूरी होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एनसीसी में साल 1948 में केवल 20 हजार कैडेट थे। रक्षा मंत्री द्वारा विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद एनसीसी में अब 20 लाख कैडेट की स्वीकृत संख्या होगी। इससे यह दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवाओं का संगठन कहलाएगा।

चार नए समूह मुख्यालय की होगी स्थापना

एनसीसी की विस्तार योजना के तहत चार नए समूह मुख्यालय की स्थापना की जाएगी और दो नई एनसीसी इकाइयों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।मंत्रालय ने

कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार एनसीसी को एक वैकल्पिक विषय के रूप में शामिल किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एनसीसी में तीन लाख कैडेट के शामिल होने से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में समान अनुपात में कैडेट होंगे और इच्छुक संस्थानों का इंतजार खत्म होगा। इस विस्तार योजना में पूर्व सैनिकों को उनके कौशल और लंबे अनुभव के आधार पर एनसीसी प्रशिक्षकों के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि एनसीसी का लक्ष्य है कि वह ऐसा वातावरण तैयार कर सके, जहां युवा राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने में समर्थ हों।

बंगाल में डिटेंशन कैंप की इजाजत नहीं देंगे – सीएम ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नव अधिसूचित नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर ताजा हमला करते हुए कहा कि वह असम

की तरह बंगाल में भी डिटेंशन कैंप नहीं चाहतीं। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि सीएए एनआरसी से संबंधित है, इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। हम असम की तरह डिटेंशन कैंप नहीं चाहते। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हमारा काम है जनता से कहना है। भाजपा का काम है जुमलेबाजी है। उन्होंने(बीजेपी) ने कहा कि हमें 400 सीट मिलेंगे। हम ऐसा नहीं कह सकते, हम जनता के ऊपर सब छोड़ते हैं, जनता जिसे वोट देगी हम उसे मानेंगे लेकिन भाजपा जबरदस्ती से चुनाव करेगी तो हम इसे नहीं मानेंगे। सीएए पर अपना हमला जारी रखते हुए बनर्जी ने इस कानून को लोकसभा चुनाव से पहले एक राजनीतिक हथकंडा करार दिया। केंद्र अब बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए प्रताड़ित गैर–मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करना शुरू कर देगा। इनमें हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शामिल हैं।सीएए के दायरे से मुसलमानों को बाहर रखने की आलोचना करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य देश की आबादी के बीच विभाजन पैदा करना है। सीएए का उद्देश्य देश के लोगों को विभाजित करना है। 2009 में न्यायाधिकरणों द्वारा विदेशी घोषित लोगों को निर्वासित किए जाने तक हिरासत में रखने के लिए हिरासत केंद्रों को अधिसूचित किया था।

तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों को मिलेगा नया कार्यालय भवन

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह बुधवार को नई दिल्ल्ली के नौरोजी नगर स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों – भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबी एसएसएल), नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (एनसी ओएल) और नेशनल कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट लिमिटेड (एनसीईएल) के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन करेंगे। तीनों समितियों कृ बीबीएसएसएल, एनसीओएल और एनसीईएल कृ के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन सरकार के सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने की दिशा में सहकारिता मंत्रालय की एक और महत्वपूर्ण पहल है। काफी समय से तीनों समितियों के लिए अलग कार्यालय

भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की तीन बहुराज्यीय सहकारी समितियों के गठन को मंजूरी दी है। ये समितियाँ निर्यात, जैविक उत्पाद और बीज के क्षेत्र में काम कर रही हैं और एमएससीएस अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत हैं। बीबीएसएल, एनसीओएल और एनसीईएल के लिए निर्धारित गतिविधियों में रुचि रखने वाली सभी स्तरों की सहकारी समितियां इसकी सदस्यता के लिए पात्र हैं। ये तीनों समितियाँ कृषि एवं संबंधित गतिविधियों से जुड़े लोगों का विकास सुनिश्चित करेंगी और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के माध्यम से किसानों से कृषि उपज और बीज खरीदेंगी। इससे पीएसीएस और मजबूत होंगे क्योंकि किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य मिलेगा। इसके साथ ही समितियाँ यह भी सुनिश्चित करेंगी कि नेट सरप्लस यानी शुद्ध अधिशेष पर मुनाफा सीधे किसानों के खातों में पहुँचे।

संपादकीय

सियायत का चेहरा जरदारी

आसिफ अली जरदारी करप्शन के आरोपों के सिलसिले में 11 साल जेल में रहे। पर, किस्मत का खेल देखिए कि अब वह दूसरी बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति बन गए हैं। यही पाकिस्तान की राजनीति के स्याह चेहरे का सच है। पिछले तीन दशकों से, वे जेल और सत्ता के नजदीक रहे हैं। उन्हें संभवतः पाकिस्तान का सबसे बदनाम राजनेता माना जा सकता है, जो सत्ता के सर्वोच्च पद तक पहुंचने में कामयाब रहा। व्हीलिंग और डीलिंग में माहिर रहे हैं जरदारी। वो 2007 में बेनजीर भुट्टो की हत्या के बाद देश की राजनीति में आए थे। उसके बाद जरदारी अपने देश के राष्ट्रपति बन गए। बेशक, जरदारी से बेहतर सत्ता की राजनीति कोई नहीं कर सकता। एक दशक से अधिक समय तक जेल में रहने और लगातार विवादों में घिरे रहने के बाद, वह पाकिस्तानी राजनीति में अछूत से लेकर निर्विवाद किंगमेकर बन गए। जरदारी एक चतुर और चालाक राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। उन्होंने दिसंबर 2007 में पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) नेतृत्व की कमान संभाली। उन्होंने 2008 के संसदीय चुनावों में पीपीपी को जीत दिलाई और सैन्य नेता जनरल परवेज मुशर्रफ को पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। |कअमतजपेमउमदज बेनजीर भुट्टो के पहले कार्यकाल के दौरान, जरदारी पर संपत्ति हड़पने के लिए अपनी पत्नी के पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगे। विपक्ष ने आरोप लगाया कि जरदारी ने हर सरकारी परियोजना पर कमीशन लिया और उन्हें मिस्टर टेन परसेंट का लेबल दिया। उन्हें अपनी पत्नी की पहली सरकार के पतन के लिए भी दोषी ठहराया गया। उन्हें पहली बार 1990 में गिरफ्तार किया गया। जरदारी ने ऐसे समय में राजनीतिक मैदान में उतरने का फैसला किया, जब सब कुछ उनके खिलाफ होता दिख रहा था। उन्होंने 1990 में अपने गृह नगर सिंध के नवाबशाह से नेशनल असेंबली सीट के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया था। कुछ हफ्ते बाद, उन्हें कई आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। वह चुनाव भी हार गए, लेकिन वे 1993 में नेशनल असेंबली के लिए चुने गए। जब उनकी बेगम बेनजरी भुट्टो प्रधानमंत्री थीं, तब जरदारी पर्दे के पीछे से खेल खेलते थे और उन्होंने खुद को देश का सुपर प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित कर लिया था। जरदारी ने 200 से अधिक आरोपों में विशेष अदालतों में मुकदमे का सामना किया,जिसमें फिरौती के लिए अपहरण से लेकर बैंकों को धोखा देने से लेकर राजनीतिक विरोधियों की हत्या की साजिश रचने तक के केस शामिल थे। लेकिन उन पर लगे कोई भी आरोप साबित नहीं हुए। 1992 में जमानत पर रिहा होने के बाद जरदारी का सितारा फिर से चमक उठा। यह पाकिस्तान के राजनीतिक इतिहास में एक अविस्मरणीय क्षण था, जब जरदारी को जेल से रिहा किया गया और 1993 में नवाज शरीफ की पहली संघीय सरकार को हटाने के बाद बनी अंतरिम सरकार में उन्होंने संघीय मंत्री के रूप में शपथ ली। विडंबना यह है कि शपथ राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान ने दिलाई। उन्होंने ही जरदारी को जेल भेजने का रास्ता साफ किया था। दरअसल 1993 के चुनावों में पीपीपी की जीत के बाद, जरदारी उन सभी विवादों के साथ सत्ता में वापस आ गए, जिनके चलते बेनजीर भुट्टो सरकार गिरी थी। अब संघीय मंत्री जरदारी पर एक बार फिर भ्रष्टाचार और राजनीतिक हेराफेरी के आरोप लगने लगे। हालाँकि जरदारी को अतीत में कभी भी निर्णायक रूप से दोषी नहीं ठहराया गया, लेकिन पाकिस्तानी अवाम को जन्नत की हकीकत पता है। उनकी बहनों सहित उनके परिवार के कुछ सदस्य भी भ्रष्टाचार में कथित रूप से अकंठ डूबे हुए थे। इमरान खान के पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के बाद लग रहा था कि अब आसिफ अली जरदारी की पारी का अंत हो गया। पर, आपको याद होगा कि जरदारी की पार्टी ने अप्रैल 2022 में अविश्वास मत के माध्यम से इमरान खान की सरकार को हटाने के लिए मुस्लिम लीग (नवाज) और अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिला लिया था। तब इमरान खान की सरकार गिर गई थी और उसके बाद देश में गठबंधन सरकार बनी। जिसके प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ बने और विदेश मंत्री जरदारी के पुत्र बिलावल भुट्टो जरदारी। अगर जरदारी की भारत को लेकर रही सोच की बात करें तो वे कम से कम अपने ससुर जुल्फिकार अली भुट्टो की तरह भारत विरोधी कभी नहीं लगे। वे कभी भारत नहीं आए हैं। उनकी अजमेर में गरीब नवाज की चौखट पर हाजिरी देने की ख्वाहिश थी। सन 2008 में पूरी होते–होते रह गई थीं। तब जरदारी भारत आने वाले थे। पर वे चाहकर भी भारत नहीं आ पाए। उनका इरादा यही था कि दिल्ली आएंगे तो अजमेर में ख्वाजा मुईनउद्दीन चिश्ती की मजार पर चादर तो चढ़ा ही लेंगे। दरअसल तब उन्हें राजधानी में एक अंग्रेजी अखबार की तरफ से आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए दावत दी गई थी। पर अफसोस कि तब भारत–पाकिस्तान के संबंधों में मौजूदा गर्मजोशी नहीं थी। तनाव को साफतौर पर महसूस किया जा सकता था। जाहिर है,जरदारी भारत नहीं आ पाए थे। जरदारी को इस बात जानकारी होगी की कि उनके ससुराल का भारत के दो शहरों क्रमशः जूनागढ़ और मुम्बई से बहुत गहरा रिश्ता रहा है। जब जरदारी की पत्नी बेनजीर भुट्टो की निर्मम हत्या हुई थी तब जूनागढ़ में भी शोक की लहर दौड़ गई थी। यहां के वांशिदें बेनजीर भुट्टो को कहीं न कहीं अपना ही मानते थे।

सशक्तिकरण के उपायों के पहलू पर विस्तार से चर्चा नहीं

आदित्य

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई है। ये कानून किस हद तक प्रतिशोधात्मक न्याय के औपनिवेशिक मॉडल को पार करने और पुनर्स्थापनात्मक न्याय के सिद्धांत को अपनाने में सक्षम हैं? पुनर्स्थापनात्मक न्याय अपराध करने से पहले मौजूद यथास्थिति को बहाल करने के उद्देश्य से अपराधी और पीड़ित के बीच संघर्ष को हल करने का एक तंत्र है। न्याय वितरण के इस वैकल्पिक रूप के बारे में एक आम गलतफहमी यह है कि यह अपराधियों के अधिकारों के प्रति अधिक संवेदनशीलता की मांग करता है। लेकिन पुनर्स्थापनात्मक न्यायरू विचार, मूल्य और बहस में, गेरी जॉनस्टोन पीड़ित और अपराधी के बीच समुदाय और पुलिस द्वारा की गई सीधी बैठकों के अनुभवजन्य साक्ष्य प्रदान करते हैं, जिससे आपराधिक दिमाग खत्म हो जाता है। हॉवर्ड जेहर ने तर्क दिया है कि अपराधी अपने कृत्यों को उचित ठहराने के लिए अपने अपराधों को तर्कसंगत बनाने का सहारा लेते हैं। यह आत्म–औचित्य दंडात्मक दंड की पारंपरिक प्रणाली द्वारा बढ़ाया गया है। इसके विपरीत, पुन र्स्थापनात्मक न्याय जॉन ब्रेथवेट द्वारा प्रतिपादित पुनर्एकीकृत शेमिंग के सिद्धांत पर काम करता है। यहां, शर्मिंदगी को अपराधी को कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में समाज में वापस शामिल करने के प्रयासों के साथ जोड़ा गया है। नव–अधिनियमित बीएनएस भी शर्म और दर्द को अलग करने के विश्वास पर आधारित है। लेकिन ऐसा करने में, वह बहिष्कृत करने की हद तक शर्मिंदा करने और फिर से एकीकृत करने के लिए शर्मिंदा करने के बीच के अंतर से बेखबर रहा है। पुनर्वास शब्द का उल्लेख बीएनएस, 2023 में धारा 64, 65 और 70 के तहत बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के लिए सजा से निपटने के दौरान किया गया है। हालाँकि, इसमें पुनर्स्थापन, भावनात्मक आघात के उपचार और पीड़ितों के सशक्तिकरण के उपायों के पहलू पर विस्तार से चर्चा नहीं की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने तर्क दिया कि तीन विधेयक आपराधिक न्याय प्रणाली को उपनिवेश से मुक्त करने का प्रयास करते हैं। लेकिन उपनिवेशवाद से मुक्ति किसी विदेशी भूमि पर शासित सरकार से राष्ट्रवादी सरकार में परिवर्तन मात्र नहीं है। यह निर्णय लेने के विकेंद्रीकरण का प्रतीक है, जिससे नागरिक सहभागी लोकतंत्र के माध्यम से अपनी इच्छा व्यक्त करते हैं। एक उपनिवेश–मुक्त विधेयक उन समुदायों का प्रतिनिधि होना चाहिए जो बहस, चर्चा और परामर्श का हिस्सा हैं। हालाँकि, बिल लोकसभा के 97 विपक्षी सदस्यों के निलंबन के साथ पारित किए गए थे। विधेयकों की समीक्षा के लिए संसदीय स्थायी समिति को दिए गए समय की कमी और उन पर चर्चा की कमी इस दावे पर प्रासंगिक सवाल उठाती है कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली को उपनिवेशवाद से मुक्त कर दिया गया है। कई देशों में, आपराधिक न्याय प्रणाली को उपनिवेश से मुक्त करने की खोज ने उन्हें अपराधों से निपटने के स्वदेशी तरीकों को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया है। कई पूर्ववर्ती उपनिवेशों में आपराधिक कानूनों का संहिताकरण औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ बढ़ते विद्रोह की पृष्ठभूमि में किया गया था। भारत में, भारतीय दंड संहिता का संहिताकरण 1837 में पूरा हो गया था। हालाँकि, ताज के खिलाफ असहमति की आवाजों को रोकने के लिए इसे अंततः 1860 में अधिनियमित किया गया था। आईपीसी की धारा 124ए जैसे प्रावधान, जो सरकार के

प्रति घृणा या अवमानना या असंतोष की किसी भी अभिव्यक्ति को दंडित करते हैं, इसका प्रमाण हैं। गौरतलब है कि धारा 124ए को बीएनएस में धारा 150 के रूप में पुनर्गठित किया गया है। 2023 में अम्बेडकर जयंती व्याख्यान में बोलते हुए, न्यायमूर्ति एस. मुरलीधर ने संरचनात्मक भेदभाव के बारे में बात की, जो हाशिए पर रहने वाले लोगों के लिए न्याय को दुर्गम बनाता है। इस तरह के संरचनात्मक असंतुलन अन्याय की गलत समझ पर कानूनों को आधारित करने का परिणाम हैं। इससे हिंसा और असमानता को बढ़ावा मिला है. नए कानूनी कोड को पदानुक्रमित मॉडल के आधार पर सत्ता से बदलाव को आगे बढ़ाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए था। पुन र्स्थापनात्मक न्याय को परिवर्तनकारी न्याय की ओर ले जाना चाहिए।

गांधी के चरखे से मोदी की चिप तक

ललित

भारत की उभरती भूमिका का पश्चिम से पूर्व की ओर विस्तार है। महात्मा गांधी के चरखे ने भारत की स्वतंत्रता क्रांति का इतिहास रचा, जिससे राजनीतिक मुक्ति हुई। यह न केवल स्वतंत्र भारत का प्रतीक था, बल्कि एक आत्मनिर्भर, सामाजिक–आर्थिक रूप से विकसित भारत की आशा भी थी, जिसने भारत के स्वदेशी, खादी उद्योग के प्रतिष्ठित प्रतीकों में से एक को जन्म दिया। 1918 में साबरमती आश्रम में खादी के जन्म ने 1924 में एक संस्थागत आकार लिया जब अखिल भारतीय खादी बोर्ड की स्थापना हुई। ठीक 100 साल बाद, विकसित भारत/2047 का आत्मनिर्भरता का संस्करण एक अलग बदलाव के साथ आया है। हाथ से चलने वाले चरखे की जगह हाईटेक चिप ने ले ली है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का गुजरात के धोलेरा और साणंद में और असम के मोरीगांव में तीन सेमीकंडक्टर संयंत्रों का शिलान्यास समारोह इस महत्वपूर्ण वैश्विक संपत्ति में भारत की उभरती भूमिका का पश्चिम से पूर्व की ओर विस्तार है। क्रिस मिलर की चिप वॉर्स (2022) भू–राजनीतिक, तकनीकी और आर्थिक ताकतों द्वारा आकार दिए गए वैश्विक चिप निर्माण उद्योग के विकास का पता लगाती है, जो इसे एक परिवर्तनकारी अर्थव्यवस्था की आधारशिला बनाती है। कोविड के समय में चिप आपूर्ति श्रृंखला में उथल–पुथल देखी गई, जिसने ऑटोमोबाइल, हाई–टेक और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को हिलाकर रख दिया, जिससे सुर्खियाँ अंतिम–उत्पाद से मुख्य चिप घटक की ओर स्थानांतरित हो गईं। कोविड के बाद, वैश्विक चिप निर्माण उद्योग चीन के साथ अमेरिका की सेमीकंडक्टर तकनीकी प्रतिद्वंद्विता और चीन के स्थानीय चिप निर्माण और आपूर्ति उद्योग को गहरा करने का अनुभव कर रहा है। जापान, ताइवान और दक्षिण कोरिया भी उभरती वैश्विक व्यवस्था के लिए अपनी चिप क्षमता को फिर से समायोजित कर रहे हैं। जबकि चिप निर्माण के इन सक्रिय फुट–सिपाही देशों ने नई रणनीतियों के निर्माण के नए तरीके खोजे, भारत सरकार ने 2022 में भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के साथ नीति क्षेत्र में कदम रखा। न केवल स्वदेशी चिप निर्माण को बढ़ावा देने के लिए, बल्कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए एक आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए 76,000 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी परिव्यय है। गॉर्डन मूर का नामांकित कानून चिप्स के आकार को छोटा कर रहा है और विनिर्माण उद्योग के लिए पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को वर्चस्व बनाए रखने के लिए सरकारी नीतियों को उत्प्रेरित कर रहा है। चिप वॉर्स चिप तकनीक युग की भू–राजनीतिक अंतर्धाराओं को प्रदर्शित करने के लिए ताइवान, अमेरिका, यूरोप, दक्षिण कोरिया और चीन के आंतरिक समायोजन का पता लगाता है। अमेरिका का ब्भ्प्ैै अधिनियम, दुनिया के सबसे उन्नत चिप निर्माता ज्ैडब् और अन्य उत्पादकों और विश्वविद्यालयों के साथ ताइवान का ऐतिहासिक और निरंतर जुड़ाव और चीन का शिन चुआंग या इन्फोटेक इनोवेशन प्रोजेक्ट सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में सरकारों की भूमिका को दर्शाता है। यह अपरिहार्य है क्योंकि कॉर्पोरेट दिग्गज लम्बे हो रहे हैं और चिप प्रौद्योगिकी नैनो स्तर पर प्रतिस्पर्धी रूप से छोटी होती जा रही है। आइए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाने वाले दो हालिया उदाहरण लें, जबकि टीएसएमसी, सैमसंग और इंटेल की सफलता की कहानियां लगातार हावी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) लहर की बदौलत एनवीडिया के बाजार पूंजीकरण में अचानक वृद्धि ने इसे माइक्रोसॉफ्ट और एप्पल के बाद तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बना दिया है। एनवीडिया का मूल्यांकन, जो हाल ही में +2.4 ट्रिलियन तक बढ़ गया है, जल्द ही जगह दूसरे स्थान पर आ सकता है। अपने प्रमुख नेटवर्क किट और सॉफ्टवेयर बाजार हिस्सेदारी के साथ वैश्विक एआई चिप बाजार के 80 प्रतिशत से अधिक को नियंत्रित करते हुए, एनवीडिया का एक बड़े धमाके के साथ आगमन डीप–टेक का महत्वपूर्ण क्षण है। कुछ जापानी खिलाड़ियों ने भी अपने एनवीडिया मोमेंट का अनुभव किया, इलेक्ट्रॉन, जो चिप बनाने के उपकरण में माहिर है, मित्सुबिशी, निंटेंडो और सॉफ्टबैंक को पीछे छोड़ते हुए जापान की चौथी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। जापानी बिग फाइव चिप उपकरण निर्माताओं–टोक्यो इलेक्ट्रॉन, एडवांटेस्ट, डिस्को, लेजरटेक और स्क्रीन होल्डिंग्स–ने एक वर्ष में अपनी बाजार पूंजी दोगुनी कर दी। छोटे आकार (2 नैनोमीटर तक) में चिप्स का बड़े पैमाने पर उत्पादन और एआई और क्रिप्टो जैसी परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों के उद्भव ने सेमीकंडक्टर वर्चस्व की दौड़ को पहले की तुलना में अधिक तीव्र बना दिया है। भारत के पास उपभोक्ता के बजाय सक्रिय उत्पादक बनने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। भारत की विरासत फैब (चिप निर्माण सुविधा), चंडीगढ़ में 1983 में स्थापित सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स, इसकी 2024 प्रतिक्रिया नहीं हो सकती है। इसलिए अनुसंधान क्षमता निर्माण के लिए प्रस्तावित भारत सेमीकंडक्टर रिसर्च सेंटर की सही पहचान की गई। आरआईएससी –वी और शक्ति जैसी पिछली परियोजनाएं केवल सतही तौर पर काम कर रही हैं, जिनका कोई बड़ा प्रभाव नहीं है। मोदी का आईएसएम कई मायनों में गेम–चेंजर साबित होने वाला है। फैबलेस डिजाइन में भारत की मजबूत और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी स्थिति के साथ, आईएसएम ने भारत के लिए वैश्विक चिप विनिर्माण दौड़ में शामिल होने का बिगुल बजा दिया। टाटा के ऐतिहासिक श्हम भी स्टील बनाते हैंश अभियान ने एक बार इसकी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और आगे बढ़ने के आग्रह को उजागर किया थाय इसका श्हम भी चिप बनाते हैंश निश्चित रूप से इसकी राष्ट्र–निर्माण जिम्मेदारी के रूप में उभरेगा क्योंकि भारत चिप निर्माण में एक महत्वपूर्ण यात्रा शुरू कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की ताइवानी फर्म पीएसएमसी और उसके दो संयंत्रों–धोलेरा में एक फैब और मोरीगांव में एक आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण सुविधा (ओएसएटी), साणंद में सीजी पावर के ओएसएटी के साथ रणनीतिक साझेदारी है।

देश अपने पहले प्रधान मंत्री का क्या ऋणी

विनोद

मेरे जैसे पुराने समय के लोगों के लिए दुनिया उलट–पुलट हो गई है। मेरे बचपन और किशोरावस्था में जवाहरलाल अनंत प्रशंसा के पात्र थे। चाचा नेहरू जहां भी जाते थे अपने लंबे कोट और लाल गुलाब से बच्चों की भीड़ को आकर्षित कर लेते थे। जिन सड़कों से वह गुजरा, लोग कतारबद्ध खड़े थे। उनमें, देश और उसके लोगों के प्रति उनके प्रेम, उनकी विद्वता, उनकी उच्च बुद्धि और उनकी सत्यनिष्ठा पर पूर्ण आस्था और विश्वास था। 1962 में चीन के साथ विनाशकारी युद्ध और 1964 में उनकी मृत्यु के बाद प्रशंसा भंग हो गई। ऐसा लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में यह हमारे हमवतन लोगों के एक वर्ग के बीच तीव्र नफरत में बदल गया है। उन पर आरोप तो खूब लग रहे हैं. मुख्य आरोप यह है कि उन्होंने एक ऐसे राजवंश की स्थापना की जिसने भारत को बर्बाद कर दिया। क्या वह? जनवरी 1964 में उड़ीसा के गवर्नर के आधिकारिक निवास में नेहरू को आंशिक स्ट्रोक होने के बाद, भारत के भीतर और बाहर, हर किसी के मन में यह सवाल था, ष्नेहरू के बाद, कौन?ष मुझे कई अखबारों के लेख याद आते हैं जिनमें अटकलें लगाई गई थीं कि नेहरू का उत्तराधिकारी कौन हो सकता है। न केवल भारतीय अखबारों ने, बल्कि द टाइम्स ऑफ लंदन, न्यूयॉर्क टाइम्स और कई अन्य लोगों ने भी अनुमान लगाया। ऐसा कभी नहीं कहा गया कि नेहरू ने देश पर अपना उत्तराधिकारी थोपने का फैसला किया है। 1960 में, प्रसिद्ध स्तंभकार फ्रैंक मोरेस ने लिखा, "नेहरू द्वारा अपना खुद का राजवंश बनाने का प्रयास करने का कोई सवाल ही नहीं हैय यह उनके चरित्र और करियर के साथ असंगत होगा।ष उनकी मृत्यु के बाद, एक अन्यथा कटु आलोचक डी एफ काराका ने उनके इस संकल्प को सलाम किया कि ष्अपने उत्तराधिकारी के संबंध में किसी भी प्राथमिकता का संकेत नहीं दिया जाएगा। यह उन लोगों का विशेषाधिकार था जो पीछे रह गए थे। उन्हें इसकी कोई चिंता नहीं थी। उनके उत्तराधिकारी लाल बहादुर शास्त्री मृदुभाषी और विनम्र थे, फिर भी अंदर से स्टील के बने थे। लेकिन उनके शीघ्र निधन से भारत का इतिहास अलग होता। यह भी कहा जाता है कि फेबियन समाजवाद के प्रति नेहरू का जुनून और सोवियत शैली की केंद्रीकृत योजना की प्रशंसा भारत को पीछे ले गई और इसके तीव्र विकास के रास्ते में आ गई। यह उस समय प्रचलित आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों की गलत समझ पर आधारित है। 1944–45 में जेआरडी टाटा, जीडी बिड़ला, अर्देशिर दलाल और जॉन मथाई जैसे व्यापारिक नेताओं और टेक्नोक्रेट्स द्वारा तैयार की गई बॉम्बे योजना में आर्थिक मोर्चे पर त्वरित प्रगति सुनिश्चित करने के लिए राज्य की भागीदारी और केंद्रीय योजना के महत्व पर जोर दिया गया था। बॉम्बे योजना पंचवर्षीय योजनाओं की अग्रदूत थी। इसमें 15 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे पांच–पांच वर्षों के तीन खंडों में विभाजित किया गया, जिसमें कृषि प्रभुत्व से उद्योग की ओर संक्रमण, बुनियादी उद्योग का निर्माण और केंद्रीकृत योजना की परिकल्पना की गई। बुनियादी और भारी उद्योग सरकारी क्षेत्र में आ जाएंगे, जबकि उपभोक्ता उद्योग निजी उद्यम के लिए छोड़ दिए जाएंगे। नींव नेहरू के समय में रखी गई थी और इमारत का निर्माण, धैर्यपूर्वक और पीड़ा से, प्रगति और गिरावट के दौर के साथ, आज तक किया गया, जब हम आश्वस्त हो सकते हैं कि हम कुछ वर्षों में अनिवार्य रूप से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। नेहरू लोकतंत्र में दृढ़तापूर्वक और अटल विश्वास रखते थे। मैक्सिकन कवि ऑक्टेवियो पाज, जो कुछ वर्षों तक भारत में उस देश के राजदूत थे, ने 1966 में कहा था, ष्इस सदी के अधिकांश राजनीतिक नेताओं के विपरीत, नेहरू को विश्वास नहीं था कि इतिहास की कुंजी उनके हाथों में है। क्योंकि इसने न तो अपने देश और न ही दुनिया को खून से दागा। यदि भारत पाकिस्तान और 20वीं सदी के कई अन्य नव स्वतंत्र देशों की राह पर नहीं चला है और मतपेटी के माध्यम से व्यक्त की गई लोगों की इच्छा में दृढ़ता से जुड़ा हुआ है, तो इसका श्रेय पूरी तरह से नेहरू को जाता है। जैसा कि राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2014 में 10वें नेहरू मेमोरियल व्याख्यान में कहा था, "स्वतंत्रता के समय भारत में संसदीय लोकतंत्र की स्थापना उपनिवेशवाद की लंबी अवधि से उभरने वाले नए राष्ट्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम था। हालाँकि एक नए स्वतंत्र राष्ट्र में संसदीय लोकतंत्र को बड़ा जोखिम माना जाता था, लेकिन नेहरू ने इस प्रक्रिया को सफल बनाने में केंद्रीय भूमिका निभाई। उनकी दूरदृष्टि ने अंग्रेजों द्वारा दी गई सीमित प्रतिनिधि सरकार को भारत के नागरिकों के लिए अनुकूल एक जीवंत और शक्तिशाली संस्थागत ढांचे में बदल दिया।

महिला–संचालित विकास भारत की प्रगति के लिए उत्प्रेरक होगा

आसिफ

दुनिया भर में, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक–आर्थिक प्रगति में महिलाओं की बढ़ती महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है। भारत में, महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर, भारत की प्रगति के प्रमुख स्तंभ के रूप में, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर सरकार के मजबूत फोकस के साथ एक आदर्श बदलाव आया है। यह हाल की कई नीतियों में स्पष्ट है जिसके कारण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ रही है। महिला आरक्षण विधेयक का पारित होना, जो महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक बड़ी आवाज देगा, एक परिवर्तनकारी कदम है। यह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और पीएम मुद्रा योजना जैसी कई योजनाओं और पहलों के बाद आया है, जो सभी महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर लक्षित हैं। इस तरह की पहलों से जमीनी स्तर पर प्रभावशाली परिणाम मिले हैं और यह लैंगिक सशक्तिकरण में भारत के नेतृत्व को प्रदर्शित करता है। महिला श्रम बल भागीदारी दर में चार प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है और अब यह 37 प्रतिशत है। मुद्रा योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आसान ऋण मिल रहा है। महिलाओं के बीच वित्तीय समावेशन में काफी सुधार हुआ है और पिछले 10 वर्षों में महिलाओं को 7.68 ट्रिलियन रुपये का ऋण मिला है। राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन और डिजिटल साक्षरता अभियान (दिशा) के तहत, महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगभग 5.25 मिलियन लोगों को डिजिटल साक्षरता के लिए लक्षित किया गया है, क्योंकि लाभार्थियों में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल हैं। महिला सशक्तीकरण पर भारत के नेतृत्व को अब वैश्विक मान्यता मिल रही है, जैसा कि इस साल की शुरुआत में विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में एलायंस फॉर ग्लोबल गुड – लैंगिक समानता और समानता के लॉन्च के साथ देखा गया था। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के मार्गदर्शन में, गठबंधन को उद्योग में समर्थक मिले और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और विश्व आर्थिक मंच को अपने साथ लाया। सीआईआई के महिला नेतृत्व केंद्र द्वारा संचालित इस गठबंधन की कल्पना भारत के नेतृत्व वाली सरकारों, उद्योग और विकास संगठनों के एक वैश्विक समूह के रूप में की गई है। सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, नए समाधान विकसित करना और महिला–केंद्रित पहलों में लक्षित निवेश, जिसे इस गठबंधन ने शुरू करने और उत्प्रेरित करने की योजना बनाई है, लैंगिक समानता और समानता की दिशा में प्रगति को गति देगा। महिलाओं में निवेश पर गठबंधन का फोकस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 की थीम के साथ मेल खाता हैरू ष्महिलाओं में निवेश करेंरू प्रगति में तेजी लाएंष्। मेरा मानना है कि भारतीय उद्योग भारत सरकार के प्रयासों का पूरक है और इसने विभिन्न पहलों और नीतियों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज, ऐसे कई प्रमुख समर्थक हैं जिनकी पहल कॉरपोरेट्स ने की है और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को गति देने के लिए इसे और तेज किया जा सकता है। सबसे पहले, कई कंपनियों ने कार्यस्थल में लिंग–उत्तरदायी नीतियां शुरू की हैं। लक्षित भर्ती, अचेतन लिंग पूर्वाग्रह पर प्रशिक्षण आयोजित करना, सामाजिक बाधाओं को दूर करने के लिए संवेदनशीलता और उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के विभिन्न चरणों के माध्यम से महिलाओं को अधिक समर्थन महिलाओं को कार्यस्थल के भीतर रहने और बढ़ने में सक्षम बनाएगा। खुलासों पर उन्नत रिपोर्टिंग और विविधता सूचकांक तैयार करने से काम के लचीलेपन, बच्चों की देखभाल और छुट्टी से संबंधित लक्षित और साक्ष्य–आधारित हस्तक्षेप बनाने में मदद मिलेगी। दूसरा, कई कंपनियाँ उन व्यवसायों या कार्यों के लिए महिलाओं को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जिन्हें परंपरागत रूप से पुरुषों का अधिकार माना जाता है, जैसे कि विनिर्माण कार्य। पिछले दशक में, विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और लक्षित कौशल कार्यक्रमों के साथ इसे और बढ़ाया जा सकता है। इसमें सरकार ने महिलाओं को सशस्त्र बलों और पुलिस सेवाओं में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करके प्रेरणा प्रदान की है। तीन, अधिक तकनीकी प्रगति और प्रौद्योगिकी के प्रवेश के साथ, महिलाओं के पास अब स्थान–अज्ञेयवादी सीखने और काम करने के अवसर उपलब्ध हैं। जेनरेटिव एआई का आगमन एक नया आयाम जोड़ता है। डिजिटल और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम महिलाओं को उनकी शिक्षा और रोजगार क्षमता पर अधिक नियंत्रण रखने में मदद कर सकते हैं। चौथा, महिलाओं द्वारा किए जाने वाले देखभाल कार्य और घरेलू कार्यों के उचित मूल्यांकन के परिणामस्वरूप कई कुशल और प्रतिभाशाली महिलाएं अपनी पूर्ण आर्थिक क्षमता का एहसास कर सकेंगी। सीआईआई की केयर इकोनॉमी रणनीति के तहत, सरकार और उद्योग मिलकर महिलाओं को इस तेजी से उभरते क्षेत्र में अपने कौशल का निर्माण करने और उनके लिए सुविधाजनक स्थानों सहित नौकरी की पेशकश प्रदान करने में मदद कर सकते हैं। पांचवां, जबकि कॉरपोरेट महिलाओं के लिए अधिक और बेहतर अवसरों को बढ़ावा देना जारी रखे हुए हैं, महिलाएं स्वयं सामुदायिक सशक्तिकरण का नेतृत्व कर रही हैं। 2005 में शुरू किया गया सीआईआई का वुमन एक्जेम्पलर अवार्ड उन जमीनी स्तर की महिला नेताओं की पहचान करता है, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और उद्यमिता में अपने समुदायों में बदलाव लाया है। आज, यह कार्यक्रम जमीनी स्तर की महिला नेताओं का एक बड़ा समूह तैयार करने के लिए विकसित हुआ है, जिन्हें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की दस लाख से अधिक महिलाओं और बच्चों तक पहुंचने के लिए अपने काम और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाने के लिए सलाह और प्रशिक्षित किया जा रहा है। में डियान वूमेन नेटवर्क पेशेवर महिलाओं और महिला उद्यमियों को एक–दूसरे का समर्थन करने और अपनी पूर्ण आर्थिक क्षमता हासिल करने के लिए एक साथ आने में सक्षम बनाने की एक और पहल है।

बेटी को गरियाने से कुपित छोटे भाई ने बड़े भाई को पीट पीट कर मार डाला

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) माधौगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कुरसठ कस्बे के मोहल्ला गांधीनगर में मामूली विवाद में छोटे भाई ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर बड़े भाई को लाठी से पीट दिया। घटना में बड़े भाई की मौत हो गई। मृतक की पत्नी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। कुरसठ कस्बे के मोहल्ला गांधीनगर निवासी जयराम (45) राज मिस्त्री था। बुधवार रात लगभग 8 बजे जयराम शराब पीकर घर आया था। इसी दौरान उसने अपने छोटे भाई रामखेलावन की बेटी को गाली गलौज करना शुरू कर दिया। इस पर रामखेलावन ने जयराम से आपत्ति जताई तो जयराम ने उसे भी गालियां देना शुरू कर दीं। इस पर गुस्साए रामखेलावन ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर जयराम के सिर पर डंडे से कई वार कर दिए। जानकारी पर पहुंची पुलिस उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधौगंज ले गई जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक नृपेंद्र के मुताबिक दोनों भाई एक ही मकान में रहते थे। आए दिन जयराम शराब के नशे में रामखेलावन की बेटी को गाली गलौज करता था। कई बार इसको लेकर रामखेलावन नाराजगी जता चुका था। बुधवार रात जयराम ने फिर से गाली गलौज किया तो रामखेलावन ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर उसकी पिटाई कर दी और इसी से जयराम की मौत हो गई।मृतक की पत्नी सरस्वती की तहरीर पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

डीएम की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

'शांतिपूर्ण ढंग से हर्षोल्लास के साथ मनाये होली पर्व-डीएम'

'ब्यूरो रिपोर्ट-जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान

जिलाधिकारी ने होली के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से निकाले जाने वाले लाट साहब के जुलूसों का प्रतिनिधित्व करने वाले गणमान्य नागरिकों, पुलिस अधिकारियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ होली को सकुशल संपन्न कराने के विषय में चर्चा की। बैठक में मौजूद गणमान्य नागरिकों ने अपने अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों को जिलाधिकारी के साथ साझा किया। उन्होंने साफ-सफाई, बिजली, पानी तथा छुट्टा पशुओं आदि से सम्बन्धित सम्स्याओं को बताया। जिसका निस्तारण कराने हेतु जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जुलूस मार्ग में पड़ने वाले लटके हुए ढीले तारों को तत्काल प्रभाव से ठीक कराया जाए, साथ ही उन्होंने खुले हुए ट्रांसफार्मरों को भी ढकने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जुलूस मार्ग में पड़ने वाले गड्ढों तथा अवरोधों को जल्द ठीक किया जाए। जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नगर क्षेत्र में बैरिकेडिंग के कार्य को जल्द पूर्ण कर लिया जाए। आबकारी अधिकारी को दिनांक 24-25 मार्च को पूर्व की भाति शराब की दुकाने बन्द रखने हेतु निर्देश दिये। डीपीआरओ को ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई का समुचित प्रबन्ध सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कैमिकल युक्त रंगो का प्रयोग ने करें, प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें।

सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि शरारती तत्वों को चिन्हित कर चेतावनी जारी करें एवं निरोधात्मक विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होने कहा कि किसी भी दशा में जुलूस के दौरान ईट-पत्थर, जूता, चप्पल आदि चोट पहुचाने वाली वस्तुओं का प्रयोग न करें यदि ऐसा करते कोई पाया जाता है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही अमल मे लाई जायेगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में सुरक्षा के दृष्टिगत जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे जुलूस के दौरान कड़ी निगरानी की जाएगी। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि माहौल बिगाड़ने वालों के विरुद्ध गंभीर कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह वाली पोस्ट को शेयर न करें तथा किसी भी प्रकार के विवाद अथवा घटना की सूचना से अधिकारियों को अवगत करायें। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से भी अपील करते हुए कहा कि जुलूस में चलने के दौरान बिजली के खंभों तथा ट्रांसफार्मरों से दूरी बनाकर चलें जिससे कि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके। उन्होने सभी को आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण ढंग से आगामी पर्वों को मनाए जाने हेतु अपील की।

पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा ने कहा कि होली रंगो का पर्व है। इसे शांतिपूर्ण ढंग से आपसी भाईचारे के साथ मनाये। उन्होने सुरक्षा सम्बन्धित जानकारी देते हुये बताया कि होली पर्व के दृष्टिगत जनपद में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जायेगा। होली पर्व पर निकाले जाने वाले जुलूस हेतु सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये है। जुलूस की सुरक्षा के दृष्टिगत सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी दशा में छतों पर ईट, पत्थर, लोहे की रॉड आदि घातक वस्तुओं का एकत्रीकरण न हो, यह सुनिश्चित किया जाये।उन्होंने छतों पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी करने के निर्देश भी दिये।उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुये कहा कि आपसी मेल जोल के साथ सौहार्दपूर्ण तरीके से होली का त्योहार मनाए तथा कोई भी ऐसी गतिविधि न करें जिससे माहौल खराब हो। बेहतर कनून व्यवस्था के लिये पुलिस प्रशासन द्वारा सभी बिंदुओं पर विचारोपरान्त समुचित प्रबन्ध किये जा रहे है। सम्पूर्ण जुलूस के दौरान निरन्तर सीसीटीवी कैमरों द्वारा कड़ी निगरानी की जायेगी। किसी भी दशा में महोल को खराब करने प्रयास न करें। यदि ऐसा करते कोई पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

बैठक के दौरान नगर आयुक्त कामता प्रसाद, डीएफओ प्रखर गुप्ता, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 सुरेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार, सीओ बीएस वीर सिंह, सभी तहसीलों के उप जिलाधिकारी सहित गणमान्य नागरिक एवं सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बीएसए आफिस में हमारा आंगन हमारे बच्चे समारोह का हुआ आयोजन

सुलतानपुर। नगर में बेसिक शिक्षा विभाग कार्यालय के प्रांगण में आज उत्तर प्रदेश निर्वाचन विभाग द्वारा टम्म्च कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीडीओ अंकुर कौशिक शामिल हुए। उत्तर प्रदेश निर्वाचन विभाग के निर्देश पर आयोजित इस निपुण भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चे मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक को अपने बीच पाकर उत्साहित नजर आए। कुछ बच्चों ने सीडीओ से आईएएस बनने का सूत्र वाक्य पाते हुए गुरु के रूप में अभिवादन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रशस्ति पत्र देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया गया। हमारे आंगन हमारे बच्चे समारोह पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए बेसिक शिक्षा कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर मतदाता जागरूकता से संबंधित बैनर और पोस्टर लगाए गए। इस दौरान वहां मौजूद लोगों को अवगत कराया गया कि किस तरीके से मतदान प्रतिशत बढ़कर और सही उम्मीदवार का चयन करते हुए हम राष्ट्र नवनिर्माण की दिशा में सहयोग कर सकते हैं। इसके साथ पेंटिंग एवं प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान नन्हे मुन्ने बच्चों ने मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक से मेधावी बनने और इसकी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बारे में भी जानकारी हासिल की। इसके साथ ही बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपिका चतुर्वेदी की मौजूदगी में हौसला बढ़ाते हुए बच्चों ने अपने लक्ष्य से भी शिक्षकों को अवगत कराया। लगभग सभी विकासखंड में यह कार्यक्रम आयोजित किए गए और शिक्षकों ने बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव तरीके से प्रोत्साहित किया। जिला विद्यालय निरीक्षक संदीप यादव, जिला समन्वयक श्याम यादव, अपेक्षा त्रिपाठी, धर्मेश कुमार आंगनबाड़ी कार्यकत्री आदि लोग मौजूद रहे।

विद्यालय में तोड़फोड़ कर किया चोरी का प्रयास

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सिकरारा थाना अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बथुआवर में बुधवार की रात अज्ञात शरारती तत्वों ने तोड़फोड़ कर चोरी करने का प्रयास किया। विद्यालय के शिक्षको द्वारा गुरुवार को थाने पर तहरीर देकर कारवाई की मांग की गई। गुरुवार को शिक्षण कार्य हेतु निधारित समय पर विद्यालय के शिक्षक पहुंचे तो देखा कि विद्यालय की चहारदीवारी पर लगे सीसे को तोड़कर अंदर आकर तोड़फोड़ कर चोरी का प्रयास किया। अराजक तत्वों द्वारा विद्यालय परिसर में शराब पीकर दारू बोतल भी फोड़कर इधर उधर फेका गया है। शिक्षको ने थाना पर तहरीर देकर शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया। जिससे विद्यालय में रखे सामानों की सुरक्षा हो सके।

उपजिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक'

'ब्यूरो रिपोर्ट-जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली-(हरदोई)' तहसील शाहाबाद में उपजिलाधिकारी पूनम भास्कर ने सामान्य निर्वाचन 2024, ला एंड आर्डर, आईजीआरएस निस्तारण आदि बिन्दुओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया और कहा कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को देखते हुए बनाये गए बूथों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का, बूथों पर साइनऐज, शौचालय, विद्युत, दिव्यांगो के लिए रैंप, आदि तथा क्रिटिकल तथा बल्नरेबल बूथों ,पिछले लोकसभा में कम वोटिंग प्रतिशत वाले बूथों पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कराने की प्रगति, तथा रमजान के पर्व पर जुमा के नमाजों हेतु सुरक्षा व्यवस्था आदि, तथा प्राप्त आईजीआरएस तथा समाधान दिवस के गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हेतु समीक्षा करके निर्देशित किया गया।समीक्षा बैठक में क्षेत्राधिकारी शाहाबाद अनुज कुमार मिश्रा, तहसीलदार शाहाबाद नरेन्द्र कुमार यादव, खंड विकास अधिकारी शाहाबाद, प्रभारी निरीक्षक शाहाबाद, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका शाहाबाद उपस्थित रहे।

'लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक'

'ब्यूरो रिपोर्ट-जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहाँपुर' लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के परिप्रेक्ष्य में जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त ईवीएम तथा आदर्श आचार सहिंता की विवरणिका को संक्षेप में पढ़ा। जिलाधिकारी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बनाये गये कुल मतदान केन्द्र, कुल मतदेय स्थल, कुल जोनल मजिस्ट्रेट, कुल सेक्टर मजिस्ट्रेट की जानकारी दी। साथ ही बनायी गयी एफसीटी टीमों की संख्या, वीवीटी टीमों की संख्या, वीएसटी टीमों की संख्या के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया।उन्होंने जानकारी देते हुये बताया कि जनपद में 1246206 पुरूष मतदाता, 1075739 महिला मतदाता, 158 तृतीय लिंग, कुल 2322102 मतदाता है। जनपद का ईपी रेशियों 61.90 तथा जेण्डर रेशियों 863 है। 18-19 वर्ष के 51264 मतदाता तथा 20-29 वर्ष कें 438923 मतदाता है। 21096 85-प्लस मतदाता, 365 100-प्लस मतदाता है। दिव्यांग 20574 तथा सर्विस 1303 मतदाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन के कार्यक्रम की घोषणा किये जाने के दिनांक से ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है, जिसका समस्त राजनैतिक दलों तथा अभ्यर्थियों को पालन किया जाना अनिवार्य है। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

यायावरों ने भारतीय संस्कृति को करीब से समझा - डा. कायनात काजी

अपने पूर्वजों की विरासत को सहेजना होगा- एस एम मासूमब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देश प्रख्यात यात्रा लेखिका एवं ब्लॉगर डॉ. कायनात काजी ने कहा कि यात्रा मन से नकारात्मकता को निकालती है. यायावरों ने संस्कृति को इतिहासकारों की तुलना में ज्यादा ईमानदारी से लिखा है. देश की लोक संस्कृति और धरोहरों को जानने के लिए मैंने यात्राएं की. यायावरों ने भारतीय संस्कृति को करीब से समझा. भारतीय संस्कृति की विविधता ही इसकी खूबसूरती है. डॉ. कायनात ने ये बातें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कल्चरल क्लब एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में कहीं. विश्वविद्यालय में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन, प्रदर्शन एवं दस्तावेजीकरण विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है. उन्होंने प्रतिभागियों को देश के विभिन्न भागों की लोक संस्कृति से परिचित कराया. कल्चरल मैपिंग के लिए टिप्स भी दिए. कायनात काजी भारत की पहली एकल महिला यात्री हैं जिन्होंने केवल चार वर्षों में दो लाख किलोमीटर की यात्रा की है. उन्होंने अपनी रोचक यात्राओं से भी परिचित कराया. इतिहासकार एवं ब्लॉगर एस एम मासूम ने जौनपुर की सांस्कृतिक

विरासत पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि अपने सांस्कृतिक मूल्यों को स्थापित करना और सांस्कृतिक पहचान को कायम रखने की जिम्मेदारी युवाओं की है. उन्होंने कहा कि जौनपुर जनपद की सांस्कृतिक विरासत बहुत ही समृद्ध रही है इसे सहेजना बहुत मुश्किल नहीं है. अपने पूर्वजों की विरासत को बस सहेजना होगा. उन्होंने जौनपुर जनपद के ऐतिहासिक स्थलों के बारे में विस्तार से बताया. प्रो. बी डी शर्मा ने कहा कि हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए. संस्कार और संस्कृति जीने की चीज है. उन्होंने ग्रामीण संस्कृति पर विस्तार से चर्चा की. डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने कहा कि जिज्ञासा ही पथ प्रदर्शक होती है. जितना देश में भ्रमण करेंगे संस्कृति वो वास्तव में समझ पाएंगे. जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, धन्यवाद् ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार ने किया. इस अवसर पर इस अवसर पर डॉ. अवध बिहारी सिंह, डॉ. चन्दन सिंह, डॉ. सुरेन्द्र यादव, सोनम विश्वकर्मा, अमित मिश्रा समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

मेदांता हास्पिटल लखनऊ ने हासिल की सफल 200 किडनी ट्रांसप्लांट की उपलब्धि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वर्ल्ड किडनी डे के अवसर पर मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने की घोषणा की है। हॉस्पिटल ने अबतक 200 किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए हैं। मेदांता अस्पताल ने अपनी इस उपलब्धि को उन सभी अंगदाताओं को समर्पित किया है, जिन्होंने अपने अंगदान से अपने परिवार के सदस्यों को नया जीवन प्रदान किया। हॉस्पिटल ने उन सभी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ का भी आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने इस सफलता में अपना अमूल्य योगदान दिया। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के किडनी ट्रांसप्लांट विभाग का नेतृत्व डॉ. आर.के. शर्मा और डॉ. राकेश कपूर करते हैं। दोनों डॉक्टरों के पास किडनी ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उनकी टीम में अनुभवी डॉक्टरों और नर्सों का एक समूह शामिल है जो मरीजों को उच्चतम स्तर का इलाज और देखभाल प्रदान करते हैं। मेदांता हॉस्पिटल में सबसे छोटे १५ साल के बच्चे से लेकर ७६ वर्ष के वृद्ध पेशेंट में ट्रांसप्लांट हुए है ,जिसमे अपने देश के आलावा सऊदी अरबिया और अमेरिका के मरीज भी शामिल है। मेदांता हॉस्पिटल में समान ब्लड ग्रुप वाले कंपेटिबल और आसमान ब्लड ग्रुप वाली इंकंपेटिबल ट्रांसप्लांट सफलता पूर्वक हुए है और यह ट्रांसप्लांट यहां की विशिष्ट टीम ,अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन (एचएलए) लैब के सामूहिक प्रयास से सफल हुए हैं। मेदांता हॉस्पिटल किडनी रोगियों के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान

करता है, जिसमें किडनी ट्रांसप्लांट, डायलिसिस, और किडनी रोगों का प्रबंधन शामिल है। हॉस्पिटल में एक अत्याधुनिक किडनी ट्रांसप्लांट यूनिट है, जो मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी उपचार प्रदान करती है। हॉस्पिटल में किडनी की अन्य बीमारियों जैसे किडनी में पथरी, पेशाब की नली में पथरी, प्रोस्टेट कैंसर का इलाज डॉ. राकेश कपूर के नेतृत्व में स्पेशलिस्ट यूरोलॉजिस्ट्स की टीम करती है। इस उपलब्धि पर डॉ. आर.के. शर्मा, डायरेक्टर नेफ्रोलॉजी, मेदांता हॉस्पिटल ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा, ष्यह उपलब्धि हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह हमारे डॉक्टरों, नर्सों और मरीजों के बीच विश्वास, सहयोग और सामंजस्य का प्रतीक है। हम किडनी रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. राकेश कपूर, मेडिकल डायरेक्टर, मेदांता हॉस्पिटल ने कहा, हम उन सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने इस उपलब्धि में अपना योगदान दिया है। हम किडनी रोगियों के लिए बेहतर उपचार विकल्पों को विकसित करने के लिए अपना प्रयास जारी रखेंगे।

जौनपुर लोकसभा सदर से सपा निर्विवाद चेहरे पर लगा सकती हैं दाव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर की दो लोकसभा सीटों सदर और मछली शहर के लिए आगामी दिनों में होने वाले चुनाव के लेकर उम्मीदवारों के नाम की घोषणाएं की जा रही है। लेकिन लोगो की निगाहें ज्यादातर सदर लोकसभा सीट पर टिकट को लेकर चाय पान की दुकान हो रिक्शा वाले हो या नुक्कड़ चौराहे हो सभी जगह इस समय सिर्फ राजनीति चर्चा ही सुनने को मिल रही है। लोगों द्वारा विभिन्न पार्टियों को लेकर तमाम तरह के प्रयास लगाए जा रहे हैं कि कौन सी पार्टी किस उम्मीदवार को उतारने जा रही है हालांकि बात करें भारतीय जनता पार्टी की जो सत्तारूढ़ दल की पार्टी है जहां पिछले चुनाव में पार्टी द्वारा चुनाव के अंतिम चरणों में उम्मीदवारों की घोषणा की गई थी तो इस बार पार्टी ने सबसे पहले अपना पत्ता खोलते हुए महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री व कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता कृपा शंकर सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। हालांकि कृपा शंकर सिंह कुछ ही समय पहले कांग्रेस का दामन

छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी के कार्यों को लेकर अपनी निष्ठा जताते हुए भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए है। जो बोलता है जौनपुर के रहने वाले हैं लेकिन काफी लंबे अरसे से कांग्रेस पार्टी का दामन थामे हुए महाराष्ट्र में की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। कोई दूसरी तरफ पूर्व सांसद वह राष्ट्रीय जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव धनंजय सिंह भी एक बार फिर चुनावी मैदान में दमदारी से अपनी ताल ठोकते नजर आ रहे थे लेकिन अचानक भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के नाम की घोषणा होते ही उन्हें एक पुराने मामले में 7 साल की सजा सुना दी गई ऐसे में यह माना जा रहा है कि उनकी जगह कोई अन्य चुनाव मैदान में उतर सकता है हालांकि उनके समर्थको द्वारा जगह-जगह होल्डिंग और बैनर लगाकर शहर में हलचल सी पैदा कर दी गई है।अन्य पार्टियों के लोगों की निगाहें अपने-अपने चहेते उम्मीदवारो पर टिकी हुई हैं।

बात करें विपक्ष में सबसे मजबूत पार्टी समाजवादी की तो सपा मुखिया पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहले ही निर्विवाद चेहरे पर ही लोकसभा सदर सीट पर दांव लगाने के पक्ष में बोल चुके हैं।

इस कड़ी में समाजवादी पार्टी के कदवार नेता लालचंद यादव लाले को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोकसभा जौनपुर की सीट पर टिकट लेने का ही मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। डेढ़ दर्जन से अधिक लोग लखनऊ सपा मुख्यालय के आसपास डेरा जमाए बैठे हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो सदर लोकसभा सीट में गिनती के ही नेता इस कड़ी में फिट बैठते हैं। जिसमें क्षेत्र की जनता में सपा के वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले के नाम की हुंकार भरी जा रही है । क्योंकि लोगों के बीच लाले की छवि बेहद सरल मिलनसार सबके दुख सुख के साथी के रूप मे जाने जाते है।

अयोध्या में 1090 करोड़ की 411 परियोजनाओं का सीएम ने किया लोकार्पण/शिलान्यास

अबकी बार 400 पार का आह्वान कर सीएम ने सभी से सहयोग की अपील

22 जनवरी से 10 अप्रैल तक एक करोड़ श्रद्धालुओं ने किया रामलला का दर्शन

अयोध्या। गुरुवार को पूर्व निध ारित कार्यक्रम के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में जनपद की 411 परियोजनाओं जिसकी लागत रुपये 1090 करोड़ है।जिसका लोकार्पणधशिलान्यास सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजकीय इंटर कालेज परिसर में किया।इस अवसर पर उन्होंने विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु श्रीराम लला के भव्य व दिव्य के साथ साथ नव्य मंदिर में विराजमान होने के उपरांत इतने बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में मुझे पहली बार आने का अवसर प्राप्त हुआ है।मैं आप सब का हृदय से अभिनंदन करता हूं और आज का कार्यक्रम तो मैं आपका अभिनंदन करने के लिए आया हूं कि अयोध्या ने फिर से अपने आप को साबित किया है। आतिथ्य सेवा के लिए आप सोचिए कि मैं एक सप्ताह पहले देख रहा था 22 जनवरी से लेकर के और 10 मार्च तक एक करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रभु रामलला का दर्शन अयोध्या धाम में आकर किया और प्रभु की ऐसी कृपा कि इतना शांतिपूर्ण तरीके से इतना सौहार्दपूर्ण तरीके से दर्शन हो सके सुगमता के साथ सुरक्षित तरीके से स्वच्छतम तरीके से और आतिथ्य सेवा का भी अद्भुत उदाहरण अयोध्या धामवासियों ने किया है। मैं उन सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं और इस दिन को देखने के लिए जो अवसर हम सबको प्रदान किया है उसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति बार–बार, कोटि–कोटि अभिनन्दन और अभिवादन करते हुये आभार व्यक्त करता हूं।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज अयोध्या का नाम पूरी दुनिया के अंदर गूंज रहा है।यहां आने से पूर्व मैं भगवान श्रीरामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन करने के लिए गया और आगामी रामनवमी की तैयारी देखने के लिए भी आया हूं।अयोध्या को दुनिया की सुन्दर नगरी के रूप में स्थापित करने की परिकल्पना वर्तमान समय में साकार हो रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी परिकल्पना को साकार करने के लिए यहां पर 2017 में हम सभी ने दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया था, जब दीपोत्सव का आयोजन करते थे लोग बोलते थे कि यह तो एक औपचारिकता है।हम कहते थे कि यह एक औपचारिकता नही है यह भगवान राम के आगमन के पहले की तैयारी है।जो कुछ भी हो रहा है वह प्रभु के आगमन के पूर्व की तैयारी की जा रही है अयोध यावासियों को मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है और मैं तो हमेशा आता था प्रधानमंत्री मोदी हमेशा पूछते थे कि अयोध्या में क्या हो रहा है। दीपोत्सव के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री स्वयं आये थे इस वर्ष तो 54 देशों के राजदूत भी आये थे।उन्होंने कहा कि रामपथ, भक्ति पथ, धर्मपथ कोई सोचता था कि ऐसा होगा और टेढ़ीबाजार से जो फ्लाई ओवर बने है। मल्टीलेबल पार्किंग बनी है कोई सोचता था कि अयोध्या में ऐसा होगा एक भी व्यापार उजड़ा नही सबका पुर्नवास हुआ और सबका व्यवसाय भी कई गुना बढ़ा।आज अयोध्या को कुछ नया देने के लिए आये है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है 40 मेगावाट के सोलर प्लांट का उद्घाटन और 40 मेगावाट का शिलान्यास। अयोध या जो सूर्यवंश की राजधानी के रूप में जानी जाती है आज वह देश की पहली सोलर सिटी बन गयी है उसके लिए भी आप सभी को बधाई देना आया हूं तथा आवाहन किया कि अपने लोकप्रिय सांसद को जिताकर प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य अबकी बार 400 के पार लक्ष्य को पूरा करें।इसके पूर्व अयोध्या के लोकप्रिय सांसद श्री लल्लू सिंह ने जनसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि सप्तपुरिया में श्रेष्ठ अयोध या श्रीरामलला की जन्मभूमि में उपस्थित उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का अयोध्यावासियों की तरफ से हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन करता हूं। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने जब से भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है तब से कई बार आकर भगवान श्रीरामलला के दर्शन को सुलभ बनाने का काम किया है। मैं आप सब के आशीर्वाद से हनुमान जी की कृपा एवं पूर्व संतों के आशीर्वाद से 1991 से लगातार अयोध्या की सेवा करने का अवसर मिला है। इसके अतिरिक्त जनसभा को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी,विधायक सदर वेदप्रकाश गुप्ता, रूदौली, विधायक रामचन्दर यादव, बीकापुर विधायक डा0 अमित सिंह चौहान,जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव तथा पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय सहित पूर्व विधायक ने सम्बोधित किया।सम्बोधन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और आवास की चाभी भी प्रदान की गयी।इस अवसर पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ, लोकसभा के प्रभारी कृष्ण शास्त्री, महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह, डॉक्टर बांके बिहारी मणि त्रिपाठी, ओम प्रकाश सिंह, रामकृष्ण तिवारी, पूर्व महानगर अध यक्ष अभिषेक मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी एवं अयोध या जनपद के सम्मानित जन उपस्थित रहे।इस मौके पर सीएम द्वारा लोकार्पित परियोजनाओं के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग के 111, नियोजन विभाग के 05, नगर विकास विभाग के 08, बेसिक शिक्षा विभाग की 01, गृह विभाग के 05, ऊर्जा मंत्रालय के 01 एवं नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 59 परियोजनायें सम्मिलित है।उल्लेखनीय है कि लोकार्पित की जाने वाली परियोजनाओं में लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत उ0प्र0 राज्य सेतु निगम द्वारा बिगनियापुर हसंराजपुर के सेतु एवं एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा 14 मेगावाट सोलर पावर प्रोजेक्ट लोकार्पण सम्मिलित है। शिलान्यास परियोजनाओं में जनपद के 221 परियोजनाओं जिसकी लागत रू0 68422.48 लाख (रु0 छःसौ चौरासी करोड बाईस लाख अडतालीस हजार) है, का शिलान्यास किया गया।शिलान्यास की जाने वाली परियोजनाओं के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग के 30, नियोजन विभाग के 70, नगर विकास विभाग के 04 बेसिक शिक्षा विभाग की 01, गृह विभाग के 03, पर्यटन के 02, उद्यान विभाग के 01, प्राविधिक शिक्षा विभाग के 01, आवास एवं शहरी नियोजन के 04, ऊर्जा मन्त्रालय के 01, पंचायतीराज विभाग के 102, पशुपालन विभाग के 01 एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के 01 परियोजनायें सम्मिलित है। इस प्रकार कुल 411 परियोजनायें, जिनकी कुल लागत रू0 109032.99 करोड (रू० एक हजार नब्बे करोड़ बत्तीस लाख निन्यानवे हजार) है, का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।लोकार्पित होने वाली प्रमुख परियोजनाएं में बिगिनियापुर एवं हंसराजपुर समगढ़ा के मध्य गोमती नदी के बिगिनियापुर घाट पर सेतु, पहुंच मार्ग, सुरक्षात्मक कार्य 14 मेगावाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट, ग्रामसभा–साहसीपुर से तिवारीपुर होते हुए थारूपुर संपर्क मार्ग दर्शननगर–रसूलाबाद–ऐमीघाट मार्ग के किमी 1 से 13 तक नवीनीकरण महराजगंज, हैदरगंज, रुदौली एवं रौनाही थाने में हॉस्टल, बैरक एवं विवेचना कक्ष कस्तूरबा गांधी विद्यालय, सोहावल में 100 बेड का छात्रावास, बिल्हर घाट–ऐमी घाट–तारुन– गोसाईगंज मार्ग का किमी 1 से 12 तक नवीनीकरण ज ला ल प ु र – रा म प ु र भगन–तारुन–अहिरौली मार्ग का नवीनीकरण, 60 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण पेयजल परियोजना मां कामाख्या नगर पंचायत कार्यालय भवन, मां कामाख्या, भरतकुंड–भदरसा, कुमारगंज, गोसाईगंज एवं रुदौली नगर पंचायत में एम.आर.एफ. सें टर की परियोजनाएं है। शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं में सरयू नदी जलापूर्ति स्रोत से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना का फेज–1 अमृत–2.0 के अंतर्गत नगर पालिका परिषद रुदौली पेयजल पुनर्गठन परियोजना, 12,000 वर्गफीट पर पुलिस प्रशासनिक भवनध्कंट्रोल रूम, श्री रामकथा पार्क में नवीन पर्यटक आवास गृह, रायबरेली–अयोध्या मार्ग नाका हाईवे से नाका चुंगी तक 4 लेन चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, भक्तिपथ से श्रीराम जन्मभूमि पथ तक वाया हनुमान गढ़ी मार्ग, 26 मेगावाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट, राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में नर्सिंग कॉलेज की परियोजनाएं है।इसके पूर्व मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर साकेत डिग्री कालेज के प्रांगण में उतरा, जहां पर मुख्यमंत्री का स्वागत मण्डलायुक्त गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं पुलिस अधि ाकारीगण द्वारा किया गया।मुख्यमंत्री जी द्वारा हनुमानगढ़ी एवं रामलला विराजमान मंदिर में दर्शन पूजन किया गया। उक्त अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि के जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे तथा उक्त अवसर पर श्रद्वालुओं ने हाथ से लिखा हुआ रामायण की प्रति भी मुख्यमंत्री को दिखायी।

अश्वनीपुरम वार्ड में कोटेदार ने एक हजार पात्रों को वितरित किया निःशुल्क झोला

अयोध्या। अश्वनीपुरम वार्ड स्थित संचालित कोटे की दुकान पर कोटेदार राम बहादुर यादव ने यहां पर राशन लेने आने वाले लगभग एक हजार पात्रों को निःशुल्क झोला वितरित किया।जिसे पाकर इन लोगों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा।इस मौके पर निःशुल्क झोला पाने वाली महिलाओं के अलावा पुरुषों व अन्य लोगों ने बताया कि इससे सिर्फ यहां से राशन ही ले जाने में आसानी नहीं होगी बल्कि और दुकानों से भी राशन लेने के लिए आसानी होगी।इस मौके पर इन पात्रों ने पीएम नरेंद्र मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके शासन काल में हमारा समाज बहुत ही तेजी से हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इन पात्रों ने एक स्वर में कहा कि हम सभी को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।कोटेदार राम बहादुर यादव ने बताया कि जिला पूर्ति अधिकारी के निर्देश पर उन्होंने एक हजार से अधिक पात्रों को निःशुल्क झोला वितरित किया।

'दहेज उत्पीड़न का आरोप, पति सहित 6 नामजद'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) संतोष कुमार। बीकापुर अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के मलेथू कनक गांव में दहेज के लिए विवाहिता को मारने पीटने और प्रताड़ित करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति, सास, ससुर ननद सहित 6 आरोपियों के विरुद्ध मारने पीटने, गाली गलौज करने, धमकी देने, महिला उत्पीड़न और दहेज एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया है।

गोसाईगंज थाना क्षेत्र के लाल का पुरवा सरैया निवासी सत्येंद्र बहादुर सिंह द्वारा कोतवाली में शिकायत की गई है कि उन्होंने अपनी पुत्री शिवानी की शादी एक 11 मार्च 2023 को हिंदू रीति रिवाज के अनुसार बीकापुर कोतवाली क्षेत्र से मलेथू कनक निवासी शुभम के साथ किया था। पुत्री के विवाह में उन्होंने जमीन बेचकर 2लाख 51 हजार रुपए जेवरात और अन्य गृहस्थी का सामान दिया था। पुत्री जब विदा होकर ससुराल गई तो कुछ समय बाद ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित करने लगे। पति शुभम, ससुर घिसियावन, सास सरोज, ननद कुमकुम तथा घरिवार के आजेंद्र सिंह, रोली सभी लोग बुलेट और एक लाख रुपए दहेज की मांग को लेकर पुत्री को परेशान एवं प्रताड़ित करने लगे।

इसी दौरान 28 फरवरी 2024 को रात्रि करीब 11 बजे मारपीट करके लाकर के उनके घर छोड़ दिया और दहेज की मांग पूरी न होने पर पुत्री को न ले जाने की ध मकी दिया। प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि पीड़ित पिता की तहरीर पर दहेज एक्ट सहित अन्य धारा में रिपोर्ट दर्ज करके विवेचना की जा रही है।

'दो डाक्टरों समेत नौ स्वास्थ्य कर्मियों का रोका वेतन'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सीएमओ के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले दो डॉक्टरों समेत नौ स्वास्थ्यकर्मियों का अनुपस्थिति की अवधि का वेतन रोका गया है। संबंधित से तीन दिन में स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सीएमओ डॉ. संजय जैन ने नौ मार्च को पीएचसी विजयनपुर सजहरा का निरीक्षण किया तो डॉ. अभिषेक विश्वास अनुपस्थित थे। अध ीक्षक ने उनके प्रतिकर अवकाश पर रहने की सूचना दी। लैब टेक्नीशियन अनूप जायसवाल तीन दिन से गायब थे। पीएचसी कोछा बाजार के निरीक्षण में चिकित्साधि ाकारी डॉ. विनय सिंह, बीएचडब्लू शिवम पांडेय अनुपस्थित मिले। सीएचसी बीकापुर के निरीक्षण के दौरान डॉ. अंजनी गुप्ता, नेत्र परीक्षण अधिकारी रामतौल मौर्या, एलटी कृष्ण कुमार सिंह, स्टाफ नर्स सुनीता मिश्रा, एलए अमरचंद, स्वीपर इंद्रजीत भी गैरहाजिर मिले।

पीएम मोदी देश के साथ विदेशों में भी लहरा रहे अपना परचम – स्वीटी गुप्ता

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ अपने देश में ही नहीं बल्कि विदेशो मे अपने कार्यशैली से लोगो की दिलों में जगह बनाने का कार्य कर रहे हैं।उन्होंने जहां सैकड़ों वर्षों से विवादित राम जन्मभूमि प्रकरण का निस्तारण कर वर्तमान समय में भव्य व दिव्य अलौकिक मंदिर में प्रभु श्री रामलला को विराजमान कर सराहनीय कार्य किया वहीं दुबई मे अबू धाबी में स्थित भव्य व दिव्य अलौकिक राम मंदिर का निर्माण कार्य कराकर अपने सनातन धर्म को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।यह बातें देश विदेश में अपने प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली प्रसिद्ध भजन गायिका व कलाकार स्वीटी गुप्ता ने खास मुलाकात में कहीं।उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन राम नगरी में रामलला जंगल व टेंट से निकलकर अपने भव्य व दिव्य अलौकिक मंदिर में विराजमान होंगे।परंतु राम जी कृपा देखिये वे राम जन्मभूमि परिसर में स्थित भव्य अलौकिक मंदिर में तो विराजमान तो हुए ही ठीक उसके बाद दुबई के अबू धाबी में भव्य व दिव्य अलौकिक मंदिर बना। दिल्ली की मूल निवासी स्वीटी गुप्ता ने बताया कि वे अपने को काफी धन्य मान रही है कि राम जी की कृपा से जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अबू धाबी में उस भव्य व दिव्य अलौकिक मंदिर का उद्घाटन कर रहे थे तो उस ऐतिहासिक पल की साक्षी वह भी बनी। उन्होंने बताया कि उस समय वह भी वहां पर मौजूद रही। उन्होंने बताया कि अब उनकी पूरी मनोकामना पूरी हो गई है।क्योंकि आखिरकार उनका सपना

पूरा हो चुका है।उन्होंने भजन व कला,संस्कृति के महत्व को बताते हुए कहा कि बिना इनके मानव जीवन अधूरा है।भजन कीर्तन से मन प्रसन्न रहता है।कला व संस्कृति से अपने साथ साथ समाज का विकास होता है।बताते चलें कि प्रसिद्ध कलाकार स्वीटी गुप्ता दिल्ली में स्थित लवकुश की रामलीला,अयोध्या की रामलीला में दो बार माता सीता की भूमिका निभाने में नजर आने के साथ साथ विदेशों में भी अपने भजनों को प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी है।

'अकाउंट से कटे 10 हजार, अब बीओबी को देना होगा 15 हजार'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा नियावां को 15 हजार रुपये परिवादी को दो माह के अंदर देने का आदेश दिया है। इस अवधि ा में रुपये अदा न किए गए तो चार फीसदी ब्याज भी देना होगा। यह आदेश फोरम के अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार सिंह व सदस्य सचिंद्रनाथ ने बुधवार को दिया। गुदौली मऊ यदुवंशपुर निवासी अखिलेश कुमार मौर्य का खाता बैंक ऑफ बड़ौदा नियावां में है। वह 9 अगस्त 2018 को देवकली स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम से 10 हजार निकालने गए। रुपया नहीं निकला और उनके खाते से कट गया।

वहां मौजूद गार्ड ने उसने कहा दोबारा प्रयास करो। दोबारा प्रयास करने पर 10 हजार निकल आए, लेकिन परिवादी के खाते से 20 हजार कट गए। इसकी शिकायत उन्हों ने सीनियर सुपरवाइजर रवि कुमार, शाखा प्रबंध ाक व टोल फ्री नंबर पर भी की, लेकिन उनका पैसा नहीं मिला। तब अखिलेश ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में परिवाद दाखिल किया। सुनवाई के बाद आयोग ने 10 हजार निर्णय की तिथि से दो माह के अंदर अदा करने और तीन हजार क्षतिपूर्ति के तौर पर व दो हजार मुकदमे में हुए खर्च के तौर पर देने का आदेश दिया है।

हंस आसमान में चाहे जैसे उड़े जब वह पानी पर उतरता है, तो बहुत ही खूबसूरत तरीके से जल को स्पर्श करता है - सुधीर मिश्रा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र पी. जी. कॉलेज लखनऊ में केकेसी लिट फेस्ट 2024 का उद्घाटन, मुख्य अतिथि, सुधीर मिश्रा, मशहूर फिल्म निर्माता एवं निर्देशक के कर कमलो द्वारा, मां सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता, वी.एन.मिश्र, अध्यक्ष, महाविद्यालय प्रबंध समिति ने की। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो विनोद चंद्रा ने अतिथियों का स्वागत दुशाला एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। लिट फेस्ट के प्रथम सत्र में प्रो विनोद चंद्रा ने फिल्म निर्माता एवं निर्देशक, सुधीर मिश्रा के साथ लखनऊ से फिल्म जगत का जुड़ाव विषय पर संवाद किया। एक प्रश्न के जवाब में सुधीर मिश्रा ने कहा कि, नागपुर में उनकी पैदाइश हुई और लखनऊ के शाहनजफ रोड पर उनका पैतृक आवास है। 21 –22 वर्ष की अवस्था में उन्होंने थिएटर की शुरुआत की। तब तक यह नहीं स्पष्ट था कि, जाना किधर है? थिएटर के वक्त उन्हें निर्देशक, बादल सरकार मिले, जिन्होंने उनकी सोच को बदला। बादल सरकार को सुधीर मिश्रा अपना गुरु मानते हैं। उन्होंने बताया कि, 22 वर्ष की आयु में उन्हें कुंदन शाह मिले, जिन्होंने उनसे स्क्रिप्ट लिखने को कहा। और परिणाम स्वरुप जाने भी दो यारोश जैसी लोकप्रिय फिल्म लोगों को देखने को मिली। उन्हों ने युवा छात्र–छात्राओं के लिए कहा कि, हंस आसमान में चाहे जैसे उड़े जब वह पानी पर उतरता है, तो बहुत ही खूबसूरत तरीके से जल को स्पर्श करता है। इसी तरीके से हम सबको अपना अपना पानी ढूंढना पड़ता है, जिससे कि धरातल पर हमारी लैंडिंग अच्छी हो सके। उन्होंने लखनऊ के बारे में पूछे जाने पर कहा कि, लखनऊ पूरे देश में एक अकेला ऐसा शहर है, जो सिंगुलर टाउन है। ऐसा शहर पूरे देश में नहीं है। उन्होंने लखनऊ के बारे में कहा कि, यहां का सेकुलरिज्म ओरिजिनल है, फेक नहीं है। यहां बदतमीजी भी बहुत तमीज से होती है। वहीं पर उन्होंने कहा कि, लखनऊ के लोग सीधी बात नहीं करते। लेकिन उनकी बातों में एक इश्क सा होता है। उन्होंने कहा कि, तमीज का अर्थ केवल विनम्रता नहीं बल्कि, एक पूरी संस्कृति है। लखनऊ और नवाबियत के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, लखनऊ केवल नवाबियत तक है। ऐसा नहीं है बल्कि उसके आगे और उसके पीछे भी बहुत कुछ है। उनकी फिल्मों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैंने कोई परंपरा नहीं शुरू की। लेकिन एक परंपरा को आगे जरुर बढ़ाया। लखनऊ की विरासत पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, लखनऊ की विरासत के प्रति यहां के लोग थोड़े कम संवेदनशील और गंभीर दिखते है।

उन्होंने सिनेमा और समाज के संबंधों पर कहा कि, जो समाज में होता है वही सिनेमा दिखाता है। लेकिन सिनेमा बहुत सी अच्छी चीजे भी दिखाता है और सच्चाई भी दिखता है। लेकिन लोग अच्छी चीजों को कम ग्रहण करते हैं और दूसरी चीजों को ज्यादा कॉपी करते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में परफेक्शन का जमाना होगा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरे परिदृश्य को बदलने वाला है। इसलिए छात्र–छात्राओं को पढ़ना होगा, मेहनत करनी होगी और टेक्नोलॉजी से अपने आप को जोड़ना होगा। तभी समय के साथ कदम से कदम मिलाकर वह चल सकेगे। प्राचार्य प्रो विनोद चंद्रा ने सुधीर मिश्रा से आग्रह किया कि, महाविद्यालय में भविष्य में खुलने वाले फिल्म एवं मीडिया सेंटर के लिए उनका सहयोग करे। इस पर सुधीर मिश्रा ने कहा कि,महाविद्यालय के फिल्म मीडिया स्टडीज के लिए वह अपना पूरा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत राइटिंग और एडिटिंग के कोर्स से की जाए तो ज्यादा अच्छा है। राइटिंग और एडिटिंग एक दूसरे के पूरक है। राइटिंग एडिटिंग को सिखाती है और एडिटिंग राइटिंग को सिखाती है। उत्तर प्रदेश में एडिटिंग एवं राइटिंग की प्रतिभाओं का भंडार है। उनको दिशा देना आवश्यक है और वह इस कार्य में महाविद्यालय को अपना पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। लिट फेस्ट के दूसरे सत्र में आयोजित संबाद में डॉ अंशु माली शर्मा ने इतिहासकार श्री रवि भट्ट के साथ लखनऊ का नवाबी इतिहास विषय पर संवाद किया। श्री रवि भट्ट ने बताया कि, वह यहां के पूर्व छात्र रह चुके हैं। कई वर्ष पहले यहां के केकेसी इंटर कॉलेज से ही उन्होंने 9वी व 10वी की पढ़ाई की। उनकी जड़ों में जो मजबूती है वह इसी कॉलेज की वजह से है। उन्होंने कहा कि, पढ़ाई में जब मन नहीं लगता था, तब कक्षा में खिड़की पर आकर चारबाग की ट्रैफिक देखकर मन बहलाते थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि, लखनऊ भाषा और साहित्य की भूमि है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों को यह नहीं मालूम होगा की मिर्जा गालिब पर लखनऊ का बहुत एहसान है। उन्होंने बताया कि, जिंदगी जिंदा दिली का नाम है, लिखने वाले शेख इमाम बक्श और आतिश ने लखनऊ में उर्दू स्कूल ऑफ शायरी की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि,मीर अनीस, मीर तकी मीर, आतिश और मिर्जा गालिब चार मशहूर शायरों में से साढे तीन लखनऊ के ही हैं। कहते हैं कि मिर्जा गालिब आधे लखनऊ के ही थे। उन्होंने बताया कि, रेखता के जगह पर रेखती की शुरुआत लखनऊ से ही हुई थी जो की महिलाओं की आवाज समझी जाती थी। लेकिन समय बीतने पर में उर्दू की इस समृद्ध विधा के विलुप्त हो जाने से उर्दू शायरी कमजोर हुई। उन्होंने लखनऊ के बारे में बताया कि, यह एक अद्भुत शहर है। 1947 में बंटवारे के वक्त पूरे देश में हिंसा हुई, किंतु लखनऊ में एक भी हिंसा नहीं होना ही यहां की खूबसूरती है। यहां पर शिया शासको का प्रभुत्व रहा और कहते हैं कि सुन्नियों से ज्यादा उनका जुड़ाव हिंदुओं से था। श्री रवि भट्ट ने बताया कि, आज उनकी शूटिंग का सेट, रेड पार्ट 2 लखनऊ में लगा हुआ था। जहां से वह सीधे शूटिंग कॉस्ट्यूम में ही महाविद्यालय लिट फेस्ट में प्रतिभाग करने के लिए पहुंचे। उनका इस महाविद्यालय से पुराना जुड़ाव है जो उनको यहां खींच लाया। तीसरे सत्र में प्रो एस सी हजेला ने प्रोफेसर आफॅ इमीनेंस, प्रो निशि पांडेय से श्लखनऊ का लिबास और संस्कृतिश विषय पर संवाद किया। लखनऊ के लिबास और पहनावे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि, नवाबों के समय में हिंदू और मुस्लिम पुरुषों का पहनावा लगभग एक जैसा था। किंतु महिलाओं का पहनावा अलग होता था। पुरुष नवाबी दिल्ली जैसी पोशाक पहनते थे। किंतु वह उतने भारी भरकम नहीं होते थे, जितने दिल्ली के नवाबों के होते थे। वह लोग हल्के और टाइट पोशाक पहनते थे। महिलाएं बहुत तड़क–भड़क वाले कपड़े नहीं पहनती थी किंतु बहुत ही सुरुचि पूर्ण ढंग से सिले हुए, सोबर दिखने वाले पोशाक पहनती थी। उस समय की चिकनकारी और जरदोजी, आज भी चलन में है। आज के युवा इन पहनावो को अपने हिसाब से पहनते हैं। उस समय की ब्राइडल कॉस्ट्यूम आज भी प्रचलन में है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि, साहित्य और संस्कृति मानवीय मूल्यो को बढ़ाती है। उनमे गिरावट नहीं आने देती। उनके अनुसार लखनऊ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि, लखनऊ के बाहर से आया कोई भी युवा या व्यक्ति इसे 2 वर्षों के भीतर ही अपना लेता है। और इसमें सराबोर हो जाता है। फेस्ट मे संवाद कार्यक्रमों के साथ पुस्तक प्रदर्शनी भी छात्र–छात्राओं के लिए लगाई गई है, जिसका उद्घाटन का सुधीर मिश्रा एवं वी.एन. मिश्र ने फीता काटकर किया। पुस्तक मेले में देश और प्रदेश के मशहूर प्रकाशनों की पुस्तके प्रदर्शित की जा रही है। छात्र–छात्राओं में इन बुक स्टालों के प्रति एक अलग तरह का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के समापन पर जी सी शुक्ला, मंत्री प्रबंधक ने सभी अतिथियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। प्रो पायल गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथि, महाविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्व किडनी दिवस पर इनफ्लुएंसर अवार्ड से सम्मानित – डा. एस बी तिवारी कल्याणजी.....

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। विश्व किडनी दिवस पर प्रख्यात होम्योपैथिक चिकित्सा किडनी के क्षेत्र में अनेकों प्रमाणित प्रस्तुति देकर लिम्का बुक रिकॉर्ड में नाम दर्ज करा चुके चिकित्सक डॉ एस बी तिवारी कल्याण जी को बेस्ट इनफ्लुएंसर अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉक्टर तिवारी जी 5000 से भी अधिक मरीजों की किडनी 23000 से भी अधिक मरीजों की पथरी सैकड़ो मरीजों की मोटर न्यूरॉन डिजीज एवं अनेकों असाध्याय बीमारियों को ठीक कर अपना नाम लिम्का बुक रिकॉर्ड में दर्ज कर चुके हैं। डॉक्टर तिवारी जी होम्योपैथी के क्षेत्र में एक ऐसा नाम है जो प्रमाण के साथ अपनी सारी प्रस्तुतियां को समय–समय से देकर आम जनमानस के बीच में होम्योपैथी के प्रति विश्वसनीयता लाकर आज देश की कोने–कोने में अपनी सेवा दे रहे हैं ।आज विश्व किडनी दिवस पर उनके द्वारा किडनी के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए स्पीकर के तौर पर लखनऊ के गणमान्य चिकित्सकों के बीच में अपनी बात रखें जिसमें अपनी प्रमाणिक प्रस्तुतियां भी रखी । डॉ एस बी तिवारी किडनी के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है जहां एक तरफ एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में यह कहा जाता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।